हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड – 246174

कला, संचार एवं भाषा संकाय

(हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग)

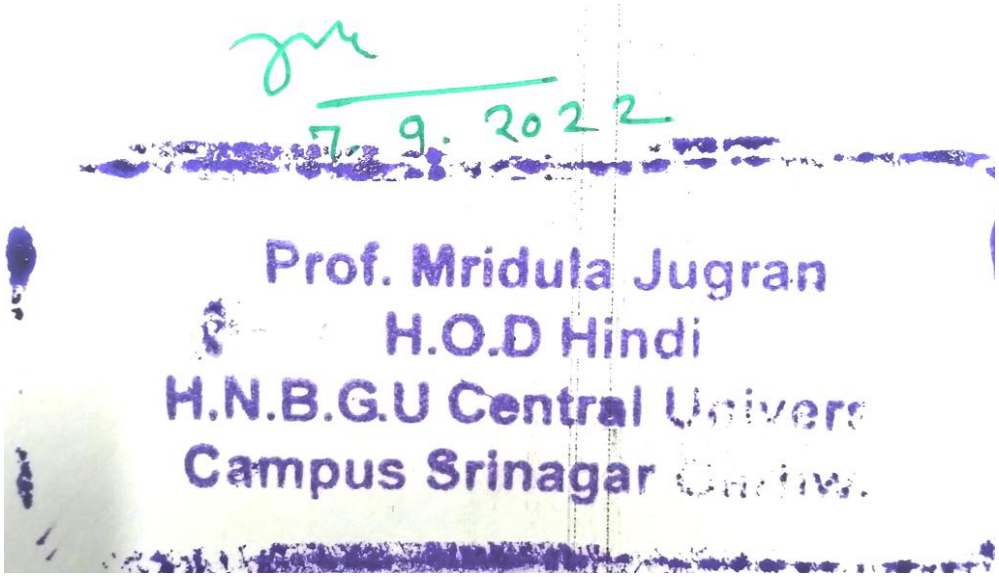

चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर से बी0ए0 षष्ठ सेमेस्टर तक

(सत्र् 2022–23)

हिंदी पाठ्यक्रम समिति द्वारा पारित पाठ्यक्रम (अनुमोदित)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
विषय – हिंदी साहित्य
चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र
बी0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर)

क्रेडिट – 20

पूर्णांक – 100 (70+30)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट
बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	1. अनिवार्य प्रश्नपत्र (Core Subject)	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	लिखित	06
		2. बहुविषयक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary)	काव्यांग परिचय	लिखित	04
		3. कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Course)	भाषा शिक्षण कौशल **अथवा** भाषा कंप्यूटिंग	लिखित	02
		4. जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (Life Skills and Personality Development / CC)	वि0वि0 द्वारा तैयार	----	02
बी0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय सेमेस्टर	1. अनिवार्य प्रश्नपत्र (Core Subject)	आधुनिक गद्य	लिखित	06
		2. बहुविषयक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary)	उत्तरांचल का हिंदी साहित्य	लिखित	04
		3. कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Course)	कार्यालयी हिंदी **अथवा** प्रयोजनमूलक हिंदी	लिखित	02
		4. पर्यावरणीय संपर्क एवं संज्ञान (Extracurricular Course/CC)	वि0वि0 द्वारा तैयार	----	02

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
विषय – हिंदी साहित्य
चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र
बी0ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

क्रेडिट – 20
पूर्णांक – 100 (70+30)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर	1. अनिवार्य प्रश्नपत्र (Core Subject)	अर्वाचीन हिंदी काव्य	लिखित	06
		2. बहुविषयक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary)	काव्यांग परिचय	लिखित	04
		3. कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Course)	भाषा शिक्षण कौशल **अथवा** भाषा कंप्यूटिंग	लिखित	02
		4. भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System) अथवा वि0वि0 द्वारा तैयार बहुविषयक पाठ्यक्रम	वि0वि0 द्वारा तैयार	----	02
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ सेमेस्टर	1. अनिवार्य प्रश्नपत्र (Core Subject)	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	लिखित	06
		2. बहुविषयक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary)	उत्तरांचल का हिंदी साहित्य	लिखित	04
		3. कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Course)	कार्यालयी हिंदी **अथवा** प्रयोजनमूलक हिंदी	लिखित	02
		4. भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System) अथवा वि0वि0 द्वारा तैयार बहुविषयक पाठ्यक्रम	वि0वि0 द्वारा तैयार	----	02

नोट :– यदि छात्र/छात्राएं तृतीय सेमेस्टर में भारतीय ज्ञान प्रणाली का अध्ययन करेंगे तो चतुर्थ समेस्टर में इसके विपरीत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार बहुविषयक पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे।

अथवा

- **यदि छात्र/छात्राएं तृतीय सेमेस्टर में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार बहुविषयक पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे तो चतुर्थ समेस्टर में इसके विपरीत भारतीय ज्ञान प्रणाली पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
विषय – हिंदी साहित्य
चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र
बी0ए0 तृतीय वर्ष (पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर)

क्रेडिट – 20
पूर्णांक – 100 (70+30)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम सेमेस्टर	1. वैकल्पिक प्रश्नपत्र (दो विकल्पों में से एक का चयन)	गढ़वाली लोक साहित्य एवं संस्कृति **अथवा** हिंदी काव्यधारा में हिमालय	लिखित	06
		2. वोकेशनल पाठ्यक्रम (Vocational Course)	साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण	लिखित/प्रयोगात्मक	04
		3. संस्कृति, परंपराएं और नैतिक मूल्य (Extracurricular Course/CC)	वि0वि0 द्वारा तैयार	लिखित/प्रयोगात्मक	02
		4. भाषा आधारित पाठ्यक्रम–1 (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली) छात्र पंचम सेमेस्टर में जिस एक भाषा का अध्ययन करेगा, छठवें सेमेस्टर में उससे भिन्न भाषा का अध्ययन करेगा।	हिंदी भाषा और साहित्य (वि0वि0 द्वारा तैयार)	लिखित	02
			जनपदीय भासा साहित्य (गढ़वलि भासा कु साहित्य) (वि0वि0 द्वारा तैयार) (संयोजक – प्रो0 मृदुला जुगरान)		
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ सेमेस्टर	1. वैकल्पिक प्रश्नपत्र (दो विकल्पों में से एक का चयन)	आधुनिक भारतीय साहित्य **अथवा** हिंदी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	06
		2. वोकेशनल पाठ्यक्रम (Vocational Course)	साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण	लिखित/प्रयोगात्मक	04
		3. संचार कौशल पाठ्यक्रम (Communication Skills/CC)	वि0वि0 द्वारा तैयार	लिखित/प्रयोगात्मक	02
		4. भाषा आधारित पाठ्यक्रम–2 (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली) (संयोजक – प्रो0 मृदुला जुगरान)	हिंदी भाषा और साहित्य (वि0वि0 द्वारा तैयार)	लिखित	02
			जनपदीय भासा साहित्य (गढ़वलि भासा कु साहित्य) (वि0वि0 द्वारा तैयार)		

प्रथम सेमेस्टर
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(अनिवार्य प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

इकाई – 1

प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता का विकास क्रम, प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियां।

इकाई – 2 निम्नांकित कवियों के रचना अंशों का अध्ययन

पाठ्यविषय :–

i. कबीर (प्रारंभ की 10 साखियाँ)
ii. जायसी (पद्मावत का मानसरोवक खंड)
iii. सूरदास
iv. तुलसीदास
v. मीराबाई

इकाई – 3

i. चंद्रवरदायी
ii. भूषण कवि
iii. रतन कवि

इकाई – 4

i. कवि बिहारी – (बिहारी सतसई) – संपादक जगनाथ दास रत्नाकर (प्रारंभ के 10 दोहे)
ii. कवि घनानंद – (घनानंद ग्रंथावली) – संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से निम्नलिखित चार पद
    - अति सूधो सनेह को मारग है, रावरे रूप की नीति अनूप,
    - हीन भये जल मीन अधीन, ए रे वीर पौ,

नोट :– इस हेतु इकाई 02 एवं 03 के लिए पाठ्य–पुस्तक उपलब्ध –
संपादन – डॉ0 मानवेंद्र पाठक (पूर्व विभागाध्यक्ष कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा
संपादित पुस्तक – ''प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य मंजूषा'', अंकित प्रकाशन हल्द्वानी)

नोट :– संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग, आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय, लघुउत्तरीय और वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. त्रिवेणी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. सूर एवं उनका साहित्य, हरवंशलाल शर्मा
4. हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. मध्यकालीन काव्य साधना, डॉ0 वासुदेव सिंह
7. जायसी एक दृष्टि, डॉ0 रघुवंश
8. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों बिम्ब योजना, डॉ0 मृदुला जुगरान
9. हिंदी साहित्य का इतिहास, नगेन्द्र

प्रथम सेमेस्टर
काव्यांग परिचय
(बहुविषयक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

1. साहित्य का स्वरूप :
   - **i.** साहित्य और समाज
   - **ii.** साहित्य के लक्षण एवं विविध दृष्टिकोण
   - **iii.** साहित्य की प्रयोजनीयता

2. काव्यांग परिचय :
   - **i.** रस, परिभाषा, अवयव और भेद
   - **ii.** शब्दशक्तियाँ, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
   - **iii.** अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, अनन्वय, प्रतीक, रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपन्हुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दृष्टांत, मानवीकरण, विशेषण विपर्यय

3. छन्द विधान : दोहा, चौपाई, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलक वंशस्थ

(उपर्युक्त पाठ्यक्रम में दीर्घ लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. काव्य के रस – गुलाब राय
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 गोविंद त्रिगुणायत
3. भारतीय काव्यशास्त्र – परंपरा और सिद्धांत
4. आधुनिक हिंदी कवियों के काव्य सिद्धांत – डॉ0 सुरेशचन्द्र गुप्त
5. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 सत्यदेव चौधरी
8. अलंकार दर्पण, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
9. काव्यांग दर्पण, डॉ0 नरेश मिश्र, हंस प्रकाशन नई दिल्ली।

प्रथम सेमेस्टर
भाषा शिक्षण कौशल
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 भाषा शिक्षण का स्वरूप

- भाषा शिक्षण अभिप्राय, एवं उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सामाजिक, एवं शैक्षणिक संदर्भ
- मूक–बधिर भाषा एवं ब्रेल लिपि

इकाई – 2 भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई – 3 हिंदी शिक्षण

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय तथा विदेशी भाषा के रूप में हिंदी भाषा का शिक्षण

इकाई – 4 भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना एवं विविध प्रकार
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना एवं विविध प्रकार

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
3. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा
4. हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सतीश कुमार रोहरा
5. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
6. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह (संपा0)
7. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप – चतुर्भुज सहाय
8. हिंदी साहित्य का अध्यापन – मागप्पा
9. हिंदी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – विजयराघव

प्रथम सेमेस्टर
भाषा कंप्यूटिंग
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 (i) कंप्यूटर का विकास और हिंदी भाषा

- कंप्यूटिंग में हिंदी का आरंभ एवं विकास
- हिंदी में विविध फॉन्ट
- कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी की चुनौतियाँ और समानताएँ

(ii) हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- हिंदी की भाषा और वेबसाइट्स और वेब डिजाइनिंग
- इंटरनेट पर हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

इकाई – 2 (i) हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस

- हिंदी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग
- ई–गवर्नेंस, इंटरनेट
- राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका

(ii) हिंदी भाषा और कंप्यूटर

- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी पत्र पत्रिकाएं इन्टरनेट पर
- एस0एम0एस0 की हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर – संतोष गोयल
2. कंप्यूटर और हिंदी – हरिमोहन
3. कंप्यूटर के मौखिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
4. पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
5. नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
6. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
7. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत – पी0के0शर्मा
8. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
9. जनसंचार – डॉ0 राधेश्याम शर्मा
10. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ – जबरीमल्ल पारख

द्वितीय सेमेस्टर
आधुनिक गद्य
(अनिवार्य प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

1. **उपन्यास :**

   चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा

2. **ग्यारह कहानियाँ (संपादक – प्रो0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, इस पुस्तक से निम्न पाँच कहानियाँ)**
   - **i.** प्रेमचंद – पूस की रात
   - **ii.** मोहन राकेश – आर्द्रा
   - **iii.** हिमांशु जोशी – तरपन
   - **iv.** बल्लभ डोभाल – अंतिम आवाज
   - **v.** मृणाल पाण्डे – लड़कियाँ

3. **नाटक :**

   ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

4. **हिंदी निबंध :**
   - **i.** मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
   - **ii.** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु
   - **iii.** कविता क्या है – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   - **iv.** मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

नोट :– उक्त समस्त पाठ्यक्रम में व्याख्या भाग, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. कहानी, नई कहानी – डॉ0 नामवर सिंह
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख – डॉ0 इंद्रनाथ मदान
3. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम – डॉ0 बटरोही
4. समकालीन हिंदी कविता – गंगा प्रसाद विमल
5. साठोत्तर हिंदी कहानी – डॉ0 के0 एम0 मालती
6. हिंदी नाटक की भूमिका मध्य वर्ग के संदर्भ में – डॉ0 मूलचंद
7. हिंदी उपन्यास शिल्प और प्रयोग – डॉ0 त्रिभुवन सिंह
8. हिंदी उपन्यास – डॉ0 रामदरश मिश्र

9. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा – ब्रजनारायण
10. हिंदी उपन्यास – डॉ0 गणेशन
11. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ0 प्रेमकुमार
12. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – डॉ0 गोविंद चातक
13. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ0 रामदरश मिश्र

द्वितीय सेमेस्टर
उत्तरांचल का हिंदी साहित्य
(बहुविषयक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

पाठ्य विषय

I. उपन्यास :

कोलाज – बल्लभ डोभाल – इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली।

II. निम्नलिखित चार कहानीकारों, चार कवियों और दो निबंधकारों की रचनाएं जो 'उत्तरांचल का हिंदी साहित्य' – संपादन : डॉ0 मंजुला राणा के संग्रह में संग्रहित है।

1. कहानीकार :
   - **i.** हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'
   - **ii.** सुभाष पंत
   - **iii.** सुरेश उनियाल
   - **iv.** धीरेंद्र आस्थाना
2. कवि :
   - **i.** रत्नांबर दत्त चंदोला
   - **ii.** पार्थ सारथि डबराल
   - **iii.** चारुचंद्र चंदोला
   - **iv.** मंगलेश डबराल
3. निबंधकार :
   - **i.** शिवानंद नौटियाल
   - **ii.** यमुनादत्त वैष्णव

नोट :– उक्त समस्त पाठ्यक्रम में व्याख्या भाग, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. गढ़वाल में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास – डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'
3. मध्य पहाड़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 गोविंद चातक
4. गढ़वाल : इतिहास, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य – डॉ0 सुरेश ममगांई, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
5. उत्तराखंड के काव्य साहित्य का इतिहास – डॉ0 प्रेमदत्त चमोली।
6. हिंदी गढ़वाली अध्येता कोश : संपादक त्रय – प्रो0 दिनेश चंद्र चमोला, प्रो0 मृदुला जुगरान, प्रो0 आशा जुगरान, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

द्वितीय सेमेस्टर
कार्यालयी हिंदी
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, क्षेत्र तथा उद्देश्य

- अभिप्राय क्षेत्र एवं उद्देश्य
- सामान्य एवं कार्यालयी हिंदी में अंतःसंबंध
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति एवं संभावनाएं

इकाई – 2 कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप

- सामान्य परिचय
- आवेदन लेखन एवं रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, निविदा आदि)

इकाई – 3 टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

- संक्षेपण का अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएं
- टिप्पण का स्वरूप, भाषा शैली तथा विशेषताएं
- प्रारूपण का अर्थ, प्रविधि तथा भाषा शैली

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
5. हिंदी की विकास यात्रा – डॉ0 रामप्रकाश
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाश
7. प्रशासनिक पत्राचार – ठाकुरदास
8. भारत सरकार की राजभाषा नीति – रामवीर सिंह

द्वितीय सेमेस्टर
प्रयोजनमूलक हिंदी
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1

- भाषा के विविध रूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना और उसके विविध आयाम
- श्रव्य एवं दृश्य माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
- संचार माध्यमों की प्रकृति एवं चरित्र
- रेडियो लेखक : उद्घोषणा, कार्यक्रम–संयोजन, समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो, नाटक, रूप और प्रविधि

इकाई – 2

- पत्रकारिता का स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार
- हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
- व्यावहारिक प्रूफ–शोधन
- पत्रकार वार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन
- कार्यालय हिंदी और अनुवाद
- भाषांतरण–प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास – बालगोविंद मिश्र
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
4. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाश
5. पत्रकारिता संदर्भ ज्ञानकोश – याकूब अली खान
6. हिंदी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम – सुशीला जोशी
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालय हिंदी – कृष्णकुमार गोस्वामी
8. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी, डॉ0 नरेश मिश्र, निधि मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर
अर्वाचीन हिंदी काव्य
(अनिवार्य प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

इकाई – 1

आधुनिक हिंदी कविता का विकास क्रम, प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियां।

इकाई – 2

पाठ्य विषय :– काव्य संग्रह, जिसमें निम्नांकित 09 कवियों की रचनाएं रहेंगी –

1. जयशंकर प्रसाद – 'कामायनी' से लज्जा सर्ग के अंश
   'आंसू' काव्य के अंश
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – सरोज स्मृति
3. सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि

इकाई – 3

1. चंद्रकुँवर बर्त्वाल – 05 कविताएं
2. अज्ञेय – कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप साँप

इकाई – 4

1. कवि गुमानी – टिहरी वर्णन
   फिरंगी वर्णन से 10 छन्द
2. सुभद्रा कुमारी चौहान – झाँसी की रानी
3. श्रीराम शर्मा प्रेम – शहीद श्रीदेव सुमन
4. लीलाधर जगूड़ी – पेड़ की आजादी

इस हेतु पाठ्यपुस्तक का संपादन डॉ0 मृदुला जुगरान (संयोजक एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी, हे0न0ब0ग0वि0वि0, श्रीनगर, गढ़वाल) द्वारा संपादित पुस्तक 'अर्वाचीन हिंदी काव्य'

नोट :– समस्त पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग, दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. छायावाद के चार स्तंभ, गंगा प्रसाद पाण्डेय
2. छायावाद और रहस्यवाद, गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक कविता यात्रा – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. निराला – डॉ0 इंद्रप्रस्थ मदान

5. पंत की काव्य भाषा – कांता पंत
6. छायावाद की परिक्रमा – डॉ0 श्यामकिशोर मिश्र
7. आधुनिक कविता प्रकृति और परिवेश – डॉ0 हरिचरण शर्मा
8. नयी कविता नये कवि – डॉ0 विश्वंभर मानव
9. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
10. समकालीन हिंदी कविता – डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
11. छायावादी काव्य : कुछ नये संदर्भ – डॉ0 मृदुला जुगरान, आशय प्रकाशन, गाजियाबाद
12. कहै गुमानी – डॉ0 उमा भट्ट

तृतीय सेमेस्टर
काव्यांग परिचय
(बहुविषयक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

1. साहित्य का स्वरूप :
   - **i.** साहित्य और समाज
   - **ii.** साहित्य के लक्षण एवं विविध दृष्टिकोण
   - **iii.** साहित्य की प्रयोजनीयता

2. काव्यांग परिचय :
   - **i.** रस, परिभाषा, अवयव और भेद
   - **ii.** शब्दशक्तियाँ, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
   - **iii.** अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, अनन्वय, प्रतीक, रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपन्हुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दृष्टांत, मानवीकरण, विशेषण विपर्यय

3. छन्द विधान : दोहा, चौपाई, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलक वंशस्थ

(उपर्युक्त पाठ्यक्रम में से दीर्घ लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. काव्य के रस – गुलाब राय
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 गोविंद त्रिगुणायत
3. भारतीय काव्यशास्त्र – परंपरा और सिद्धांत
4. आधुनिक हिंदी कवियों के काव्य सिद्धांत – डॉ0 सुरेशचन्द्र गुप्त
5. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 सत्यदेव चौधरी
8. अलंकार दर्पण, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
9. काव्यांग दर्पण, डॉ0 नरेश मिश्र, हंस प्रकाशन नई दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर
भाषा शिक्षण कौशल
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 भाषा शिक्षण का स्वरूप

- भाषा शिक्षण अभिप्राय, एवं उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सामाजिक, एवं शैक्षणिक संदर्भ
- मूक–बधिर भाषा एवं ब्रेल लिपि

इकाई – 2 भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई – 3 हिंदी शिक्षण

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय तथा विदेशी भाषा के रूप में हिंदी भाषा का शिक्षण

इकाई – 4 भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना एवं विविध प्रकार
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना एवं विविध प्रकार

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
3. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा
4. हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सतीश कुमार रोहरा
5. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
6. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह (संपा0)
7. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप – चतुर्भुज सहाय
8. हिंदी साहित्य का अध्यापन – मागप्पा
9. हिंदी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – विजयराघव

तृतीय सेमेस्टर
भाषा कंप्यूटिंग
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 (i) कंप्यूटर का विकास और हिंदी भाषा

- कंप्यूटिंग में हिंदी का आरंभ एवं विकास
- हिंदी में विविध फॉन्ट
- कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी की चुनौतियाँ और समानताएँ

(ii) हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- हिंदी की भाषा और वेबसाइट्स और वेब डिजाइनिंग
- इंटरनेट पर हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

इकाई – 2 (i) हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस

- हिंदी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग
- ई–गवर्नेंस, इंटरनेट
- राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका

(ii) हिंदी भाषा और कंप्यूटर

- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी पत्र पत्रिकाएं इन्टरनेट पर
- एस0एम0एस0 की हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर – संतोष गोयल
2. कंप्यूटर और हिंदी – हरिमोहन
3. कंप्यूटर के मौखिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
4. पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
5. नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
6. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
7. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत – पी0के0शर्मा
8. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
9. जनसंचार – डॉ0 राधेश्याम शर्मा
10. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ – जबरीमल्ल पारख

चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
(अनिवार्य प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

निधारित पाठ्यक्रम :–

1. आदिकालीन हिंदी साहित्य

- **i.** हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण
- **ii.** आदिकाल की विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- **iii.** रासो साहित्य, अमीर खुसरो की हिंदी कविता
- **iv.** विद्यापति की पदावली

2. भक्तिकाल

- **i.** भक्तिकाल के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण
- **ii.** भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- **iii.** प्रमुख संप्रदाय : निर्गुण एवं सगुण कवि
- **iv.** भक्तिकालीन संत काव्य की प्रवृत्तियाँ

3. रीतिकाल

- **i.** रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- **ii.** रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- **iii.** नामकरण : रीतिबद्ध रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि
- **iv.** रीतिकाल के प्रमुख कवि

4. आधुनिक हिंदी काव्य

- **i.** हिंदी नवजागरण
- **ii.** महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग
- **iii.** राष्ट्रीय काव्यधारा और प्रमुख कवि
- **iv.** छायावाद का उद्‌भव और विशेषताएं
- **v.** छायावाद के प्रमुख कवि
- **vi.** प्रयोगवाद और नई कविता

5. हिंदी गद्य

उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप।

नोट :– समस्त पाठ्यक्रम से दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
6. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

चतुर्थ सेमेस्टर
उत्तरांचल का हिंदी साहित्य
(बहुविषयक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

पाठ्य विषय

I. उपन्यास :

कोलाज – बल्लभ डोभाल – इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली।

II. निम्नलिखित चार कहानीकारों, चार कवियों और दो निबंधकारों की रचनाएं जो 'उत्तरांचल का हिंदी साहित्य' – संपादन : प्रो0 मंजुला राणा के संग्रह में संग्रहित है।

1. कहानीकार :
   - **i.** हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'
   - **ii.** सुभाष पंत
   - **iii.** सुरेश उनियाल
   - **iv.** धीरेंद्र आस्थाना

2. कवि :
   - **i.** रत्नांबर दत्त चंदोला
   - **ii.** पार्थ सारथि डबराल
   - **iii.** चारुचंद्र चंदोला
   - **iv.** मंगलेश डबराल

3. निबंधकार :
   - **i.** शिवानंद नौटियाल
   - **ii.** यमुनादत्त वैष्णव

नोट :– उक्त समस्त पाठ्यक्रम में व्याख्या भाग, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. गढ़वाल में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास – डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'
3. मध्य पहाड़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 गोविंद चातक
4. गढ़वाल : इतिहास, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य – डॉ0 सुरेश ममगांई, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
5. उत्तराखंड के काव्य साहित्य का इतिहास – डॉ0 प्रेमदत्त चमोली।
6. हिंदी गढ़वाली अध्येता कोश : संपादक त्रय – प्रो0 दिनेश चंद्र चमोला, प्रो0 मृदुला जुगरान, प्रो0 आशा जुगरान, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

चतुर्थ सेमेस्टर
कार्यालयी हिंदी
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1 कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, क्षेत्र तथा उद्देश्य

- अभिप्राय क्षेत्र एवं उद्देश्य
- सामान्य एवं कार्यालयी हिंदी में अंतःसंबंध
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति एवं संभावनाएं

इकाई – 2 कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप

- सामान्य परिचय
- आवेदन लेखन एवं रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, निविदा आदि)

इकाई – 3 टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

- संक्षेपण का अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएं
- टिप्पण का स्वरूप, भाषा शैली तथा विशेषताएं
- प्रारूपण का अर्थ, प्रविधि तथा भाषा शैली

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
5. हिंदी की विकास यात्रा – डॉ0 रामप्रकाश
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाश
7. प्रशासनिक पत्राचार – ठाकुरदास
8. भारत सरकार की राजभाषा नीति – रामवीर सिंह

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रयोजनमूलक हिंदी
(कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1

- भाषा के विविध रूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना और उसके विविध आयाम
- श्रव्य एवं दृश्य माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
- संचार माध्यमों की प्रकृति एवं चरित्र
- रेडियो लेखक : उद्घोषणा, कार्यक्रम–संयोजन, समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो, नाटक, रूप और प्रविधि

इकाई – 2

- पत्रकारिता का स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार
- हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
- व्यावहारिक प्रूफ–शोधन
- पत्रकार वार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन
- कार्यालय हिंदी और अनुवाद
- भाषांतरण–प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास – बालगोविंद मिश्र
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
4. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाश
5. पत्रकारिता संदर्भ ज्ञानकोश – याकूब अली खान
6. हिंदी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम – सुशीला जोशी
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालय हिंदी – कृष्णकुमार गोस्वामी
8. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी, डॉ0 नरेश मिश्र, निधि मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली।

पंचम सेमेस्टर
गढ़वाली लोक साहित्य एवं संस्कृति
(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

निधारित पाठ्यक्रम :–

1.
   - **i.** लोक साहित्य की परिभाषा
   - **ii.** लोक वार्ता, लोक संस्कृति एवं लोक विज्ञान
   - **iii.** लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ
   - **iv.** गढ़वाली लोक साहित्य का स्वरूप

2.
   - **i.** लोकगीतों का स्वरूप अथवा भावाभिव्यक्ति
   - **ii.** लोकगीत : वर्गीकरण एवं विशेषताएँ
   - **iii.** लोकगाथाएँ : वर्गीकरण एवं विशेषताएँ
   - **iv.** प्रमुख लोक गाथाएँ – जीतू बगड्वाल, तीलू रौतेली, माधो सिंह भंडारी की गाथा

3.
   - **i.** लोक कथाएँ तथा लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय
   - **ii.** प्रमुख लोक कथाएँ एवं लोक नाट्य
   - **iii.** कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय

4.
   - **i.** मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ
   - **ii.** ढोलसागर, नंदाजात, औजी, बादी
   - **iii.** उत्तराखंड के प्रमुख लोक साहित्य के संकलनकर्ता और लोक साहित्य के क्षेत्र में उनका योगदान

नोट :– उक्त पाठ्यक्रम में से दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ0 सत्येन्द्र
2. गढ़वाली लोकगीत एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ0 गोविंद चातक
3. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – हरिदत्त भट्ट शैलेश
4. गढ़वाल के लोकगीत एवं लोकनृत्य – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
5. गढ़वाली लोक साहित्य का संदर्भ; मध्य हिमालय – डॉ0 गोविंद चातक
6. गढ़वाली लोक मानस – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
7. गढ़वाल : इतिहास, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य – डॉ0 सुरेश ममगांई, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
8. गढवालि भाषा अर साहित्य की विकास यात्रा (चौदहवीं शताब्दी बरि अबारि), संदीप रावत, बिनसर पब्लिकेशन देहरादून।

पंचम सेमेस्टर
हिंदी काव्यधारा में हिमालय
(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

निधारित पाठ्यक्रम :–

पाठ्यग्रंथ :– हिमालय – महादेवी वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
चंद्रकुँवर काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – संपादक – श्रीकंठ, जयश्री ट्रस्ट – बसंत बिहार, देहरादून

पाठ्यांश :–

1. मैथिलीशरण गुप्त – (मातृभूमि)
2. जयशंकर प्रसाद – (हिमालय : आशा सर्ग)
3. सुमित्रानंदन पंत – (हिमाद्रि)
4. चंद्रकुँवर बर्त्वाल – (हिमालय/अब छाया में गुंजन होगा)
5. सुभद्राकुमारी चौहान – (वीरों का कैसा हो बसंत)
6. रामधारी सिंह दिनकर – (हिमालय के प्रति)

नोट :– उक्त समस्त पाठ्यक्रम में से व्याख्या भाग, दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिमालय गाथा – जनजाति संस्कृति – सुदर्शन वशिष्ठ
2. हिमांचल दर्शन – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
3. उत्तराखंड : संस्कृति, साहित्य और पर्यटन
4. हिमालय परिचय – राहुल सांकृत्यायन
5. चंद्रकुँवर – काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – सं0 श्रीकंठ, देहरादून
6. हिमोत्कर्ष – डॉ0 शिवानंद नौटियाल
7. हिमालय – महादेवी वर्मा
8. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – द्वारिका प्रसाद सक्सेना

पंचम सेमेस्टर
साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण
(वोकेशनल पाठ्यक्रम)

क्रेडिट – 04

निर्देश :– छात्र को निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्रस्तुति देनी होगी –

1. साहित्यिक पाण्डुलिपि संग्रहण
2. भाषा–भूगोल (बोली संग्रहण)
3. कवि, लेखकों, साहित्यकारों से जुड़े स्थानों का भ्रमण तथा उस पर वृत्त तैयार करना (जैसे – फीचर, डॉक्यूमैंट्री तैयार करना आदि)
4. लोकगीतों का संग्रहण

नोट :– साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण के अंतर्गत फील्ड वर्क के लिए जो इकाई पाँचवें सेमेस्टर में चयन की गई हो, छठवें सेमेस्टर में उससे भिन्न इकाई का चयन करना अनिवार्य है।

पंचम सेमेस्टर
भाषा आधारित पाठ्यक्रम–1
(हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली)
हिंदी भाषा और साहित्य

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1

1. भाषा की परिभाषा : अर्थ, विभिन्न क्षेत्र
2. खड़ी बोली के साहित्यिक रूपों का विकास

इकाई – 2

पद्य पाठ्यांश

1. अमीर खुसरो – मुकरियाँ (संपादक – सय्यद गुलाम सम्नानी)
   (क) रात समय वह मेरे आवे
   (ख) नंगे पांव फिरन नहिं देत
   (ग) वह आवे तब सादी होय
   (घ) अर्ध निशा आया वह मौन
2. जयशंकर प्रसाद – आंसू (प्रारंभ के 05 छंद)
3. हरिवंशराय बच्चन – मधुशाला (प्रारंभ के 05 छंद)
4. रामधारी सिंह दिनकर – मेरे नगपति मेरे विशाल
5. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – बाँधों न नाव इस ठाँव बन्धु
6. नागार्जुन – बहुत दिनों तक चूल्हा रोया

इकाई – 3

गद्य पाठ्यांश (कहानी, निबंध)

1. प्रेमचंद – मंत्र (कहानी)
2. गंगा प्रसाद विमल – सिद्धार्थ का लौटना (कहानी)
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – श्रद्धा और भक्ति (निबंध)
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी – कवियों में उर्मिला विषयक उदासीनता (निबंध)
5. हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज (निबंध)
6. प्रताप नारायण मिश्र – मनोयोग (निबंध)

नोट :– उक्त पाठ्यक्रम से संदर्भित पाठ्याशों का भाषिक सौंदर्य महत्व और विशेषताओं से संदर्भित आलोचनात्मक, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. छायावाद – नामवर सिंह
3. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह
4. साहित्य का मर्म – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आधुनिक हिंदी कवियों के काव्य सिद्धांत – डॉ0 सुरेश चंद्र गुप्त
6. काव्य के रूप – बाबू गुलाब राय
7. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – डॉ0 हरदयाल
9. नवजागरण और छायावाद – डॉ0 महेंद्रनाथ राय
10. छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि – डॉ0 सुषमा पाल

पंचम सेमेस्टर
भाषा आधारित पाठ्यक्रम–1
(हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली)
जनपदीय भासा साहित्य
(गढ़वलि भासा कु साहित्य)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

पाठ्यविसै :–

इकाई – 1

- गढ़वलि भासा कु उद्भव अर विकास
- गढ़वलि मा लिख्यूं सिस्ट साहित्य
- प्रमुख गढ़वलि रचनाकार

इकाई – 2

पाठ्यांश (कविता)

1. तारादत्त गैरोला – सदेई गीत (पैलि पैल्या पांच छंद)
2. तोताकृष्ण गैरोला – प्रेमी पथिक (पैलि पैल्या पांच छंद)
3. जीवानंद श्रीयाल – डालि माटी (पैलि पैल्या पांच छंद)
4. भजन सिंह – सिंहनाद (वीरवधू देवकी) (पैलि पैल्या दस छंद)
5. नरेंद्र सिंह नेगी – खुचकंडी (हर–हर गंगे, डाल्यू ना काटा)
6. कन्हैयालाल डंडरियाल – अंज्वाल (उल्यरि जिकुड़ी)

इकाई – 3

पाठ्यांश (गद्य)

1. कहानि – न्यौ निसाब (मोहन लाल नेगी)
2. नाटक – मलेथा की कूल (जीत सिंह नेगी)
3. निबंध – क्या गोरि क्या सौंलि (गोविंद चातक)

नोट :– पाठ्यक्रम बटि व्याख्या भाग, आलोचनात्मक प्रस्न, वस्तुनिस्ठ प्रस्न पुछे जाला।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनपदीय भाषा साहित्य, संपादक–डॉ0 शेर सिंह बिष्ट तथा डॉ0 सुरेंद्र जोशी (उक्त अधिकांस कविता ये संग्रह मां छन्)
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य, डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेष'
3. मध्य पहाड़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 गोविंद चातक

4. हिंदी गढ़वाली अध्येता कोश : संपादक त्रय – प्रो0 दिनेश चंद्र चमोला, प्रो0 मृदुला जुगरान, प्रो0 आशा जुगरान, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
5. खुचकंडी, नरेंद्र सिंह नेगी
6. अंज्वाल, कन्हैयालाल डंडरियाल
7. गढ़वाली भाषा और उसका लोक साहित्य – डॉ0 जनार्दन प्रसाद काला
8. गढ़वाली लोकगीत, एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ0 गोविंद चातक
9. गढ़वाली भाषा के अनालोचित पक्ष – डॉ0 अचलानंद
10. गढ़वाली गद्य की परंपरा – डॉ0 अनिल डबराल
11. मलेथा की गूल, जीत सिंह नेगी
12. सिंहनाद, भजन सिंह
13. गढ़वाली लोकोक्तियों का समाज शास्त्र – डॉ0 मनोज खाली
14. क्या गोरि क्या सौंलि – निबंध संग्रह – गोविंद चातक
15. गढवालि भाषा अर साहित्य की विकास यात्रा (चौदहवीं शताब्दी बरि अबारि), संदीप रावत, बिनसर पब्लिकेशन देहरादून।
16. धाद् (गढ़वाली भाषा साहित्य की पत्रिका), संपादक गणी खुगशाल।
17. गढ़वाल : इतिहास, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य – डॉ0 सुरेश ममगांई, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।

षष्ठ सेमेस्टर
आधुनिक भारतीय साहित्य
(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

इकाई – 1

- भारतीय साहित्य का स्वरूप
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएं
- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय साहित्य

इकाई – 2

- भारतीय नवजागरण और उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई – 3

- दलित विमर्श और आधुनिक भारतीय साहित्य
- स्त्री विमर्श और आधुनिक भारतीय साहित्य
- आधुनिक भारतीय साहित्य तथा आदिवासी विमर्श

इकाई – 4 पाठ्य–पुस्तकें

- काबुली वाला – रविन्द्रनाथ टैगोर
- अग्निगर्भ – महाश्वेता दवी

इकाई – 5 पाठ्य–पुस्तकें

- बीच का रास्ता नहीं होता – पाश

इकाई – 6 पाठ्य–पुस्तकें

- हयवदन – गिरीश कर्नाड

नोट :– उपरोक्त समस्त पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों से व्याख्या भाग एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतीय साहित्य, डॉ0 नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन।
2. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन।
3. आधुनिक भारतीय चिंतन, विश्वनाथ नरवणे राजकमल प्रकाशन।

4. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ0 नगेन्द्र।
5. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा, सुधा सिंह।
6. भारतीय भाषा परिचय, केंद्रीय हिंदी सस्थान।

षष्ठ सेमेस्टर
हिंदी का राष्ट्रीय काव्य
(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 06

इकाई – 1 वीरगाथाकालीन राष्ट्रीय काव्य

- चंद्रबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथ्विराज)
- जागनिक : आल्ह खंड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खंड
  (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां..... भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे.... लड़िहैं खूब वीर मलखान))

इकाई – 2 भक्ति एवं रीतिकालीन राष्ट्रीय काव्य

- गुरु गोविंद सिंह : देहु सिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो,
  यों सुनि के बतियान तिह की
- भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान ते मयूखैं,
  दारुन दहत हरनाकुस विदारबै कों

इकाई – 3 भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य

- भारतेंदु हरिश्चंद्र : उन्नत चित हवै आर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें,
  बल कला कौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहैं
  भीतर–भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरा बतावै।
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि
- मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि

इकाई – 4 छायावादी राष्ट्रीय काव्य

- जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारति जय विजय करे), जागो फिर
  एक बार
- माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी
- सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी

इकाई – 5 छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य

- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि–कोटि कंठों से
  निकली आज यही स्वर धारा है
- रामधारी सिंह दिनकर : शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय
- श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' : झण्डा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)

इकाई – 6 समकालीन राष्ट्रीय काव्य

- श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार
- सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. वीर काव्य, उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, प्रयागराज।
2. चंद्रबरदायी, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पांडया और श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. आल्हखण्ड, ई–पुस्तकालय डॉट कॉम।
4. गुरु गोविंद सिंह और उनका काव्य, डॉ0 महीप सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. भूषण, राजकमल बोरा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
6. भारतेंदु ग्रंथावली, ब्रजरत्न दास, वाराणसी।
7. महाकवि हरिऔध, गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश', अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस।
8. मैथिलीशरण गुप्त, ग्रंथावली, डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन।
9. जयशंकर प्रसाद, नंददुलारे वाजपेयी, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
10. kavitakosh.org
11. epastkalay.com
12. ndl.iitkgp.ac.in
13. hindigeetmala.net

षष्ठ सेमेस्टर
साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण
(वोकेशनल पाठ्यक्रम)

क्रेडिट – 04

निर्देश :– छात्र को निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्रस्तुति देनी होगी –

1. साहित्यिक पाण्डुलिपि संग्रहण
2. भाषा–भूगोल (बोली संग्रहण)
3. कवि, लेखकों, साहित्यकारों से जुड़े स्थानों का भ्रमण तथा उस पर वृत्त तैयार करना (जैसे – फीचर, डॉक्यूमैंट्री तैयार करना आदि)
4. लोकगीतों का संग्रहण

नोट :– साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण के अंतर्गत फील्ड वर्क के लिए जो इकाई पाँचवें सेमेस्टर में चयन की गई हो, छठवें सेमेस्टर में उससे भिन्न इकाई का चयन करना अनिवार्य है।

षष्ठ सेमेस्टर
भाषा आधारित पाठ्यक्रम–2
(हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली)
हिंदी भाषा और साहित्य

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

इकाई – 1

1. भाषा की परिभाषा : अर्थ, विभिन्न क्षेत्र
2. खड़ी बोली के साहित्यिक रूपों का विकास

इकाई – 2

पद्य पाठ्यांश

1. अमीर खुसरो – मुकरियाँ (संपादक – सय्यद गुलाम सम्नानी)
   (क) रात समय वह मेरे आवे
   (ख) नंगे पांव फिरन नहिं देत
   (ग) वह आवे तब सादी होय
   (घ) अर्ध निशा आया वह मौन
2. जयशंकर प्रसाद – आंसू (प्रारंभ के 05 छंद)
3. हरिवंशराय बच्चन – मधुशाला (प्रारंभ के 05 छंद)
4. रामधारी सिंह दिनकर – मेरे नगपति मेरे विशाल
5. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – बाँधों न नाव इस ठाँव बन्धु
6. नागार्जुन – बहुत दिनों तक चूल्हा रोया

इकाई – 3

गद्य पाठ्यांश (कहानी, निबंध)

1. प्रेमचंद – मंत्र (कहानी)
2. गंगा प्रसाद विमल – सिद्धार्थ का लौटना (कहानी)
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – श्रद्धा और भक्ति (निबंध)
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी – कवियों में उर्मिला विषयक उदासीनता (निबंध)
5. हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज (निबंध)
6. प्रताप नारायण मिश्र – मनोयोग (निबंध)

नोट :– उक्त पाठ्यक्रम से संदर्भित पाठ्याशों का भाषिक सौंदर्य महत्व और विशेषताओं से संदर्भित आलोचनात्मक, लघु उत्तरीय एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. छायावाद – नामवर सिंह
3. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह
4. साहित्य का मर्म – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आधुनिक हिंदी कवियों के काव्य सिद्धांत – डॉ0 सुरेश चंद्र गुप्त
6. काव्य के रूप – बाबू गुलाब राय
7. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – डॉ0 हरदयाल
9. नवजागरण और छायावाद – डॉ0 महेंद्रनाथ राय
10. छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि – डॉ0 सुषमा पाल

षष्ठ सेमेस्टर
भाषा आधारित पाठ्यक्रम–2
(हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गढ़वाली)
जनपदीय भासा साहित्य
(गढ़वलि भासा कु साहित्य)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 02

पाठ्यविसै :–

इकाई – 1

- गढ़वलि भासा कु उद्भव अर विकास
- गढ़वलि मा लिख्यूं सिस्ट साहित्य
- प्रमुख गढ़वलि रचनाकार

इकाई – 2

पाठ्यांश (कविता)

4. तारादत्त गैरोला – सदेई गीत (पैलि पैल्या पांच छंद)
5. तोताकृष्ण गैरोला – प्रेमी पथिक (पैलि पैल्या पांच छंद)
6. जीवानंद श्रीयाल – डालि माटी (पैलि पैल्या पांच छंद)
7. भजन सिंह – सिंहनाद (वीरवधू देवकी) (पैलि पैल्या दस छंद)
8. नरेंद्र सिंह नेगी – खुचकंडी (हर–हर गंगे, डाल्यू ना काटा)
9. कन्हैयालाल डंडरियाल – अंज्वाल (उल्यरि जिकुड़ी)

इकाई – 3

पाठ्यांश (गद्य)

1. कहानि – न्यौ निसाब (मोहन लाल नेगी)
2. नाटक – मलेथा की कूल (जीत सिंह नेगी)
3. निबंध – क्या गोरि क्या सौंलि (गोविंद चातक)

नोट :– पाठ्यक्रम बटि व्याख्या भाग, आलोचनात्मक प्रस्न, वस्तुनिस्ठ प्रस्न पुछे जाला।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनपदीय भाषा साहित्य, संपादक–डॉ0 शेर सिंह बिष्ट तथा डॉ0 सुरेंद्र जोशी (उक्त अधिकांस कविता ये संग्रह मां छन्)
2. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य, डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेष'
3. मध्य पहाड़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 गोविंद चातक

4. हिंदी गढ़वाली अध्येता कोश : संपादक त्रय – प्रो0 दिनेश चंद्र चमोला, प्रो0 मृदुला जुगरान, प्रो0 आशा जुगरान, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
5. खुचकंडी, नरेंद्र सिंह नेगी
6. अंज्वाल, कन्हैयालाल डंडरियाल
7. गढ़वाली भाषा और उसका लोक साहित्य – डॉ0 जनार्दन प्रसाद काला
8. गढ़वाली लोकगीत, एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ0 गोविंद चातक
9. गढ़वाली भाषा के अनालोचित पक्ष – डॉ0 अचलानंद
10. गढ़वाली गद्य की परंपरा – डॉ0 अनिल डबराल
11. मलेथा की गूल, जीत सिंह नेगी
12. सिंहनाद, भजन सिंह
13. गढ़वाली लोकोक्तियों का समाज शास्त्र – डॉ0 मनोज खाली
14. क्या गोरि क्या सौंलि – निबंध संग्रह – गोविंद चातक
15. गढवालि भाषा अर साहित्य की विकास यात्रा (चौदहवीं शताब्दी बरि अबारि), संदीप रावत, बिनसर पब्लिकेशन देहरादून।
16. धाद् (गढ़वाली भाषा साहित्य की पत्रिका), संपादक गणी खुगशाल।
17. गढ़वाल : इतिहास, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य – डॉ0 सुरेश ममगांई, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।

7.09.22

प्रो0 मृदुला जुगरान
संयोजक एवं अध्यक्ष
हिंदी–विभाग
हे0न0ब0 गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय,
श्रीनगर (गढ़वाल)

7.09.22

प्रो0 मृदुला जुगरान

प्रो0 मंजुला राणा

डॉ0 गुड्डी बिष्ट 7.9.2022

Prof. Mridula Jugran
H.O.D Hindi
H.N.B.G.U Central Univers
Campus Srinagar Garhwa

7.09.22

हिंदी पाठ्यक्रम समिति
हे0न0ब0 गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय,
श्रीनगर (गढ़वाल)

39